भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-2607

दिनांक 16 दिसंबर, 2025 के लिए प्रश्न

राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार

2607. श्री इटेला राजेंदरः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार स्वदेशी गाय/भैंस नस्लों का पालन करने वाले सर्वश्रेष्ठ डेयरी किसानों के लिए मंत्रालय द्वारा गठित राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार (एनजीआरए) को कार्यान्वित कर रही है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा दिए जा रहे प्रोत्साहन क्या हैं, निर्धारित लक्ष्य क्या हैं और आज की तिथि तक इस प्रकार के प्रोत्साहन के माध्यम से प्राप्त परिणाम क्या हैं?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) जी, हाँ।

(ख) राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM) के अंतर्गत, पशुपालन और डेयरी विभाग वर्ष 2021 से प्रतिवर्ष **राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार (NGRA)** प्रदान कर रहा है। इसका उद्देश्य देशी नस्लों के गोपशु और भैंस (पंजीकृत नस्लों की सूची (53 गोपशु और 20 भैंस) संलग्न) पालने वाले डेयरी किसानों दुग्ध सहकारी समितियों/ दुग्ध उत्पादक कंपनी/किसान उत्पादक संगठनों और कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियनों (AIT) को निम्नलिखित श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित करना है:

i. देशी नस्लों के गोपशु/भैंस पालने वाला सर्वश्रेष्ठ डेयरी किसान।

ii. सर्वश्रेष्ठ दुग्ध सहकारी समिति (DCS)/दुग्ध उत्पादक कंपनी (MPC)/किसान उत्पादक संगठन (FPO)।

iii. सर्वश्रेष्ठ कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन (AIT)।

डेयरी विकास कार्यकलापों को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2024 में **उत्तर पूर्वी क्षेत्र (NER) के लिए एक विशेष पुरस्कार** का प्रावधान भी शुरू किया गया है। इसके अलावा, वर्ष 2025 से उत्तर पूर्वी क्षेत्र श्रेणी के साथ **हिमालयी राज्यों** को भी शामिल किया गया है। प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान तक के विजेताओं को एनजीआरए (NGRA) प्रदान किया जाता है और उपरोक्त उल्लिखितानुसार प्रत्येक श्रेणी में उत्तर पूर्वी क्षेत्र (NER)/हिमालयी राज्यों के लिए एक विशेष पुरस्कार भी दिया जाता है। एनजीआरए में योग्यता प्रमाण पत्र, एक स्मृति चिन्ह और प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान के लिए क्रमशः 5,00,000 रुपये, 3,00,000 रुपये और 2,00,000 रुपये का नकद पुरस्कार तथा सर्वश्रेष्ठ डेयरी किसान और सर्वश्रेष्ठ डीसीएस/एफपीओ/एमपीसी की श्रेणी में उत्तर पूर्वी क्षेत्र (NER)/हिमालयी राज्यों के लिए विशेष पुरस्कार के रूप में 2,00,000 रुपये का नकद पुरस्कार शामिल हैं। सर्वश्रेष्ठ कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन (AIT) श्रेणी के मामले में, राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार में केवल योग्यता प्रमाण पत्र और एक स्मृति चिन्ह शामिल होता है।

राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार के लिए नामांकन राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल **https://awards.gov.in** के माध्यम से ऑनलाइन प्राप्त किए जाते हैं। ये पुरस्कार प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय दुग्ध दिवस अर्थात दिनांक 26 नवंबर के अवसर पर प्रदान किए जाते हैं।

अब तक, उत्तर पूर्वी राज्यों/हिमालयी राज्यों के लिए विशेष पुरस्कार सहित कुल 21 डेयरी किसानों को देशी नस्लों की गोपशु/भैंस का पालन करने वाले सर्वश्रेष्ठ डेयरी किसान की श्रेणी के तहत पुरस्कृत किया गया है।

*****

अनुबंध

गोपशु की पंजीकृत नस्लें (NGRA के लिए)

क्र.सं.	नस्ल	मूल क्षेत्र
1	अमृतमहल	कर्नाटक
2	बछौर	बिहार
3	बरगुर	तमिलनाडु
4	डांगी	महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश
5	देओनी	महाराष्ट्र और कर्नाटक
6	गाओलाओ	महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश
7	गिर	गुजरात
8	हल्लीकर	कर्नाटक
9	हरियाना	हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान
10	कंगायम	तमिलनाडु
11	कांकरेज	गुजरात और राजस्थान
12	केनकथा	उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश
13	खेरीगढ़	उत्तर प्रदेश
14	खिल्लर	महाराष्ट्र और कर्नाटक
15	कृष्णा घाटी	कर्नाटक
16	मालवी	मध्य प्रदेश
17	मेवाती	राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश
18	नागौरी	राजस्थान
19	निमाड़ी	मध्य प्रदेश
20	ओंगोल	आंध्र प्रदेश
21	पोनवार	उत्तर प्रदेश
22	पुंगनूर	आंध्र प्रदेश
23	राठी	राजस्थान
24	लाल कंधारी	महाराष्ट्र
25	लाल सिंधी	केवल संगठित फार्मों पर
26	साहीवाल	पंजाब और राजस्थान
27	सिरी	सिक्किम और पश्चिम बंगाल
28	थापारकर	राजस्थान
29	अंबलाचेरी	तमिलनाडु
30	वेचुर	केरल
31	मोटू	ओडिशा, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश
32	घुमुसरी	ओडिशा
33	बिंझरपुरी	ओडिशा
34	खारियर	ओडिशा
35	पुलिकुलम	तमिलनाडु

क्र.सं.	नस्ल	मूल क्षेत्र
36	कोसली	छत्तीसगढ
37	मलनाड गिद्दा	कर्नाटक
38	बेलाही	हरियाणा और चंडीगढ़
39	गंगातीरी	उत्तर प्रदेश और बिहार
40	बद्री	उत्तराखंड
41	लखिमी	असम
42	लद्दाखी	जम्मू और कश्मीर
43	कोंकण कपिला	महाराष्ट्र और गोवा
44	पोडाथुरपु	तेलंगाना
45	नारी	राजस्थान और गुजरात
46	डगरी	गुजरात
47	थुथो	नागालैंड
48	श्वेत कपिला	गोवा
49	हिमाचली पहाड़ी	हिमाचल प्रदेश
50	पूर्णिया	बिहार
51	कथानी	महाराष्ट्र
52	सांचोरी	राजस्थान
53	मैसिलम	मेघालय

भैंस की पंजीकृत नस्लें (NGRA के लिए)

क्र.सं.	नस्ल	मूल क्षेत्र
1	भदावरी	उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश
2	जाफराबादी	गुजरात
3	मराठवाड़ी	महाराष्ट्र
4	मेहसाणा	गुजरात
5	मुर्रा	हरियाणा
6	नागपुरी	महाराष्ट्र
7	नीली रावि	पंजाब
8	पंढरपुरी	महाराष्ट्र
9	सुरती	गुजरात
10	टोडा	तमिलनाडु
11	बन्नी	गुजरात
12	चिलका	ओडिशा
13	कालाहांडी	ओडिशा
14	लुइत (swamp)	असम और मणिपुर
15	बरगुर	तमिलनाडु
16	छत्तीसगढ़ी	छत्तीसगढ़
17	गोजरी	पंजाब और हिमाचल प्रदेश
18	धारवाड़ी	कर्नाटक
19	मांडा	ओडिशा
20	पूर्णथाडी	महाराष्ट्र